ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:31.05.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-05-31 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	01/06/2024	02/06/2024	03/06/2024	04/06/2024	05/06/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	1.0	4.0	0.0	2.0
अधिकतम तापमान(से.)	42.0	41.0	40.0	40.0	39.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	24.0	24.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	65	65	70	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	8	14	14
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	270	270	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	5	3	2	1

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (24 से 30 मई) 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.0 से 42.0oC और 26.4 से 30.5oC था। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 46-57% और 25-38% के बीच रही, जबकि हवा दक्षिण, पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पूर्व दिशा से 3.3-7.6 किमी प्रति घंटे की गति से चली। पिछले सप्ताह आसमान साफ रहा और दिन और रात का तापमान उच्च रहा। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 1, 2 और 4 जून को 1-4 मिमी की हल्की वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 39.0-42.0oC और 24.0oC रहने की उम्मीद है। 1, 2 और 4 जून को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की वर्षा (हल्की बूंदाबांदी) हो सकती है, जबकि शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम बना रह सकता है। 31 मई और 1 जून को कुछ स्थानों पर गर्मी से लेकर भीषण लू की स्थिति उत्पन्न होने के बारे में पीली चेतावनी जारी की गई है। 1 और 2 जून को कुछ स्थानों पर बिजली चमकने और तेज़ हवा (40-50 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम विज्ञान और बिजली संबंधी डेटा के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 30.05.2024 से 06.06.2024 के दौरान बड़ी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाता है। शुष्क मौसम के साथ बहुत हल्की वर्षा/बूंदाबांदी का अनुमान लगाया गया है, इसलिए मिट्टी की नमी बनाए रखी जानी चाहिए और नियमित सिंचाई की जानी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी द्वारा बहुत हल्की वर्षा और शुष्क मौसम की पूर्वानुमानित मौसम स्थितियों के अनुसार, किसानों को नियमित सिंचाई पद्धतियों के साथ पर्याप्त मिट्टी की नमी बनाए रखने की सिफारिश की जाती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
चावल	नर्सरी की तैयारी	धान की रोपाई की नर्सरी गीली या सूखी विधि से तैयार की जा सकती है। सिंचित क्षेत्रों में गीली विधि से रोपाई से 15-20 दिन पहले नर्सरी तैयार की जा सकती है। इसमें पानी डाला जाता है और सभी खरपतवारों को अंकुरित होने दिया जाता है जिन्हें आगे खेत में ही जमा कर दिया जाता है। वर्षा आधारित क्षेत्रों में शुष्क विधि का प्रयोग किया जा सकता है। मध्यम अवधि वाली किस्मों जैसे नरेंद्र-359, पीआर 113 आदि की बुआई करनी चाहिए। गीली विधि से बुआई लाइन से लाइन की दूरी 20 सेमी और 4-5 सेमी की गहराई पर करनी चाहिए।
सूरजमुखी	पुष्पन/ परिपक्वता	फूल आने/बीज बनते समय आवश्यकतानुसार फसल की नियमित रूप से सिंचाई करनी चाहिए। परिपक्व सरों को पक्षियों और तोतों से बचाना चाहिए। परिपक्व सरों को काटकर सुखा ले। कीट के हमले को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कीटनाशक का उपयोग किया जाना चाहिए।
उर्द/मूंग	फली निर्माण/ परिपक्वता	फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा पूरी तरह पक जाने पर आवश्यकतानुसार कटाई भी की जा सकती है। मिट्टी की नमी बनाए रखें।
ढैंचा	वानस्पतिक	आवश्यकतानुसार फसल में नियमित सिंचाई करनी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	निराई-गुड़ाई के साथ नियमित सिंचाई करनी चाहिए। गन्ने में काला कीट लगने पर किसान भाई फसल में क्यूनालफॉस 25 ईसी को 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए।
वसंत मक्का	भुट्टा भरना	टैसलिंग के बाद भुट्टा भरने के चरण में नियमित सिंचाई की जानी चाहिए और उपज के नुकसान को रोकने के लिए पक्षियों को डराने के तरीकों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। बिक्री के लिए परिपक्व भुट्टों की कटाई की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
लोबिया	फली निर्माण/ परिपक्वता	फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा पूरी तरह पक जाने पर आवश्यकतानुसार कटाई भी की जा सकती है। मिट्टी की नमी बनाए रखें।
कद्दू वर्गीय सब्जियों/ अन्य खीरे के प्रजातियां	वानस्पतिक/फलदायी	पत्तियों के धब्बेदार दिखने की स्थिति में, पौधों को अलग कर देना चाहिए और रस चूसने वाले कीटों के लिए सर्वांगी का उपयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार नियमित सिंचाई करनी चाहिए और इन फसलों में फूल झड़ने से रोकने के लिए नमी संरक्षण के उपाय करने चाहिए। गर्म हवाओं को रोकने और नमी को संरक्षित करने के लिए अंतर-सांस्कृतिक कार्य किए जाने चाहिए।
भिंडी	वानस्पतिक/फलदायी	किसानों को तैयार मिर्च की फसल की कटाई पूरी करने की जरूरत है, साथ ही वायरल बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए संक्रमित पौधों (जब सिकुड़ी हुई और गुठलीदार पत्तियां दिखाई दें) को हटा दें और नष्ट कर दें और रस-चूसने वाले कीड़ों को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करें। झुलसा

		रोग के प्रकोप को रोकने के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव करें। फूल झड़ने से रोकने के लिए फसल में नमी बनाए रखें।
आम	फल बनना	उच्च तापमान के कारण फल गिर सकते हैं और फल की वृद्धि प्रभावित हो सकती है, इसलिए नियमित रूप से पानी और 1% बोरान का छिड़काव करना चाहिए। नमी के संरक्षण के लिए नियमित सिंचाई और गीली घास का अभ्यास करना चाहिए।
लीची	फल बनना	कम पानी और नमी के कारण फल टूटते हैं इसलिए गर्मी से बचने के लिए नियमित रूप से पानी और 1% बोरान का छिड़काव करना चाहिए। नमी के संरक्षण के लिए नियमित सिंचाई और गीली घास का अभ्यास करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	लू के कारण पशुओं में गर्मी के तनाव की स्थिति को रोकने के लिए शेड में निरंतर पानी की आपूर्ति बनाए रखी जानी चाहिए। विदेशी गायों की उत्पादकता बनाए रखने और उन्हें बीमारियों से बचाने के लिए पंखे, कूलर या नवीनतम शीतलन उपकरण जैसे शीतलन उपकरणों का उपयोग करके पशु शेड का तापमान बनाए रखा जाना चाहिए। पीने के नालों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी पिलाना चाहिए। यदि दुधारू पशुओं में मास्टिटिस के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	गन्ना एवं कद्दूवर्गीय फसलों में अंतरसांस्कृतिक क्रियाएं करनी चाहिए। फसलों में शाम के समय सिंचाई करनी चाहिए। नमी संरक्षण के लिए मल्च का प्रयोग करना चाहिए।